IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 3, February 2024

नगरीय परिवारों के उत्तरदाताओं का सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि का अध्ययन

डॉ. शाहेदा सिद्दीकी
प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, (म.प्र.)

शोध–सारांश :–

किसी सामाजिक शोध में सामाजिक एवं आार्थिक पृष्ठभूमि एक आवश्यक आधार तैयार करती है। शोध इस मान्यता पर आधारित है कि व्यक्ति के व्यवहार, क्रियाएं, अभिवृत्ति, मूल्य तथा वैचारिक दृष्टिकोण उसके सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश से प्रभावित होती है। सामाजिक पृष्ठभूमि व्यक्ति जीवन के उन मूलभूत गुणों का समुच्चय है जो उसे सामाजिक सदस्य के रूप में प्रतिस्थापित करता है। सामाजिक जीवन में सामाजिक प्रस्थिति का महत्वपूर्ण स्थान है, व्यक्ति के सामाजिक प्रस्थिति में परिवर्तन होने से उसकी भूमिका में परिवर्तन होने की सम्भावना बढ़ जाती है।

मुख्य शब्द :– महिला, परिवार, भूमिका, सामाजिक संगठन, आर्थिक, वैचारिक इत्यादि।

संदर्भ स्रोत :–

[1]. Oplor, M.E. and Singh, Rudradutta, Economic Political Social Change in a Village of North Central India, Human. Organization.
[2]. रावत, हरिकृष्ण,उच्चतर समाजशास्त्रीय विश्वकोश, रावत पब्लिकेशन, जयपुर,2011
[3]. अहूजा, राम, भारतीय समाज, रावत पब्लिकेशन, जयपुर, 2011-
[4]. Harlambos, M. and Heald, R.M., Sociology: Theams and Perpoctive, Oxford University Press, New Delhi, 1997.
[5]. Maciver R.M. and Page C.H., Society : An Introductory Analysis, Macmillan & Co. Ltd, London, 1962.
[6]. अहुजा, राम, और अहूजा, मुकेश, समाजशास्त्र : विवेचना एवं परिप्रेक्ष्य,रावत पब्लिकेशन, जयपुर, 2013